एक व्यक्तिगत गवाही और पश्चाताप का आह्वान

“एक मार्ग ऐसा है जो मनुष्य को सही प्रतीत होता है, पर उसका
अंत मृत्यु का मार्ग है।” — नीतिवचन 14:12

जब तक मैं प्रभु को नहीं जान पाया और उद्धार नहीं पाया, तब तक मैं अपने हृदय में गहरा विश्वास करता था कि भगवान मुझे कठोर रूप से न्याय नहीं देंगे। मैं सोचता था, “हालाँकि मैं अभी पाप कर रहा हूँ, पर अंत में निश्चित रूप से भगवान मुझ पर दया करेंगे। आखिरकार, मैं हत्यारों या जादूगरों जितना बुरा नहीं हूँ।”

मुझे विश्वास था कि शराब का संयमित सेवन कोई बड़ी बात नहीं है, और यह मुझे नर्क में नहीं ले जाएगा जैसा कि पूरी तरह से लत वाले लोगों को जाता है। मैं सोचता था कि मेरी यौन अनैतिकता, क्लब जाना और सांसारिक जीवनशैली गंभीर अपराध नहीं हैं। मैंने मान लिया कि अपशब्द, गपशप और कलंक केवल सामान्य मानवीय व्यवहार हैं और भगवान की दृष्टि में वास्तव में “पाप” नहीं हैं।

अपने हृदय में मैं अपने आप को सांत्वना देता: “कम से कम मैं हत्या नहीं करता, चोरी नहीं करता, जादूगरों के पास नहीं जाता। मैं ईसाई हूँ, चर्च जाता हूँ, और गरीबों को भी देता हूँ—इतना

काफी होना चाहिए कि भगवान मुझे अंतिम दिन स्वीकार करें।”

मेरे लिए यीशु केवल जीवन में एक “वैकल्पिक विकल्प” थे, जीवन की नींव नहीं। मैंने भगवान को गंभीरता से नहीं लिया। मैं आध्यात्मिक संतोष में जी रहा था, सोचकर कि मैं सुरक्षित हूँ। पर मैं अंधा था।

जब तक प्रभु ने अपनी महान दया में मेरी आँखें नहीं खोलीं, तब तक मुझे एहसास नहीं हुआ कि मैं चरम खतरे में था, खो गया और अनजाने में शाश्वत विनाश की ओर बढ़ रहा था।

हृदय की छल-कपट

“हृदय सब चीज़ों से अधिक छल-कपटपूर्ण और अत्यंत रोगी है; इसे कौन समझ सकता है? मैं, प्रभु, हृदय की परीक्षा करता हूँ और मन
की जाँच करता हूँ, ताकि प्रत्येक मनुष्य को उसके मार्गों के अनुसार, उसके कर्मों के अनुसार दिया जा सके।” — यिर्मयाह 17:9–10

बाइबल स्पष्ट रूप से बताती है कि हृदय हमें धोखा दे सकता है। शैतान निश्चित रूप से धोखेबाज है, लेकिन आपका स्वयं का हृदय

एक मार्ग ऐसा है जो मनुष्य को सही प्रतीत होता है

आपको शैतान से पहले ही धोखा दे सकता है। शैतान के हृदय ने उसे पहले ही धोखा दिया था (यशायाह 14:12–14)। इसी तरह, हमारे विचार और भावनाएँ हमें झूठ बोल सकती हैं और झूठा सुरक्षा का भाव दे सकती हैं।

इसीलिए शास्त्र चेतावनी देता है:

“अपने हृदय को पूरी सतर्कता से रखो, क्योंकि जीवन के स्रोत वहीं से निकलते हैं।” — नीतिवचन 4:23

कोई भी चीज़ चाहे आपकी नजर में कितनी भी अच्छी क्यों न लगे—यहाँ तक कि धार्मिक कर्म भी—यदि यह परमेश्वर के वचन की सच्चाई के अनुरूप नहीं है, तो यह मृत्यु की ओर ले जाता है।

धार्मिक लेकिन खोया हुआ

कई लोग मानते हैं कि धार्मिक होना या दस आज्ञाओं का पालन करना पर्याप्त है। कुछ सोचते हैं कि गरीबों की मदद करना, बड़े पापों से बचना या अच्छा व्यक्ति होना उन्हें स्वर्ग में स्थान दिलाएगा। अन्य लोग न्याय की पूरी अवधारणा को ही खारिज कर देते हैं, कहते हैं, “जब हम मरते हैं, हम बस गायब हो जाते हैं,” या

पर्जेटरी या पुनर्जन्म जैसी शास्त्र विरोधी शिक्षाओं में विश्वास करते हैं।

पर सत्य यही है: यीशु ही एकमात्र मार्ग हैं।

“यीशु ने कहा, ‘मैं मार्ग हूँ, सत्य हूँ और जीवन हूँ। पिता के
पास कोई नहीं आता सिवाय मेरे।'” — यूहन्ना 14:6

हमें उस धनाढ्य युवक को नहीं भूलना चाहिए, जो धार्मिक था और सभी आज्ञाओं का पालन करता था लेकिन फिर भी शाश्वत जीवन से वंचित था।

“गुरु, मैं शाश्वत जीवन पाने के लिए कौन सा अच्छा काम करूँ?”
— मत्ती 19:16

यीशु ने उसे कहा कि वह अपनी सारी संपत्ति बेच दे और उनका अनुसरण करे, लेकिन वह व्यक्ति अपने धन के प्रति लगाव के कारण उदास होकर चला गया (मत्ती 19:21–22)। यह हमें दिखाता है कि यीशु को मान्यता दिए बिना धर्म खाली है।

एक मार्ग ऐसा है जो मनुष्य को सही प्रतीत होता है

मसीह को अस्वीकार करना जीवन को अस्वीकार करना है

धार्मिक फ़रीसी और सदूसी जो उन पर विश्वास नहीं करते थे, यीशु ने कहा:

“मैंने तुम्हें बताया कि तुम अपने पापों में मरोगे, क्योंकि
जब तक तुम विश्वास नहीं करते कि मैं वही हूँ, तुम अपने पापों
में मरोगे।” — यूहन्ना 8:24

दोस्त, अपने हृदय को धोखा मत दें कि यीशु आपके जीवन में आवश्यक नहीं हैं। यह झूठ मत मानो कि आपकी अपनी धार्मिकता, धर्म या परंपराएँ आपको बचा सकती हैं। केवल यीशु मसीह का रक्त पाप को धो सकता है और शाश्वत जीवन ला सकता है।

तुम्हें सच्चा सुसमाचार चाहिए

हम अंतिम दिनों में हैं। यीशु जल्दी आ रहे हैं। यह समय अपने भावनाओं या राय के अनुसार चलने का नहीं है। बाइबल चेतावनी देती है:

एक मार्ग ऐसा है जो मनुष्य को सही प्रतीत होता है

“जो अपने अपराध छिपाता है वह सफल नहीं होगा, पर जो उन्हें स्वीकार करता है और छोड़ देता है उसे दया मिलेगी।” — नीतिवचन 28:13

सच्चा पश्चाताप पाप से पूरी तरह मुड़ना और यीशु मसीह की प्रभुता को स्वीकार करना है।

उद्धार के लिए अगले कदम

यदि आज आपका हृदय आहत है, तो ये कदम उठाएँ:

1. पश्चाताप करें – सभी ज्ञात पापों से मुड़ जाएँ।
2. विश्वास करें – अपने पापों की क्षमा के लिए पूर्ण रूप से यीशु मसीह पर भरोसा रखें।
3. बपतिस्मा लें – यीशु मसीह के नाम पर जल में डूब कर अपने पापों की क्षमा के लिए (प्रेरितों के काम 2:38)।
4. पवित्र आत्मा प्राप्त करें – परमेश्वर को आपको धर्म में चलने और पाप पर विजय पाने का अधिकार दें।

“पतरस ने उनसे कहा, ‘तुम सभी पश्चाताप करो और यीशु मसीह के
नाम पर बपतिस्मा लो, और तुम पवित्र आत्मा का उपहार प्राप्त

एक मार्ग ऐसा है जो मनुष्य को सही प्रतीत होता है

करोगे।'” — प्रेरितों के काम 2:38

यदि आप पहले किसी अन्य तरीके से या बिना समझ के बपतिस्मा ले चुके हैं, तो अभी भी देर नहीं हुई। बाइबल अनुसार बपतिस्मा आज्ञाकारिता का हिस्सा है और इसे सच्चाई में किया जाना चाहिए।

“कोई भी मेरे पास नहीं आ सकता जब तक पिता, जिसने मुझे भेजा,
उसे नहीं खींचता। और मैं उसे अंतिम दिन जीवित उठाऊँगा।” — यूहन्ना 6:44

कृपा की आवाज़ के प्रति अपने हृदय को कठोर न करें। यदि आप पीछे हट चुके हैं, आज लौटने का अवसर है। यदि आपने कभी सच में यीशु को समर्पित नहीं किया, आज उद्धार का दिन है। (2 कुरिन्थियों 6:2)

यीशु का रक्त अभी भी बोलता है। कृपा का द्वार अभी भी खुला है।

अपने हृदय को धोखा न दें—जब तक समय है, मसीह की ओर भागो।

दोस्त, जो तुम्हें सही लगता है, वह वास्तव में शाश्वत विनाश की ओर ले जा सकता है। उद्धार केवल यीशु मसीह में है। देर होने तक

एक मार्ग ऐसा है जो मनुष्य को सही प्रतीत होता है

प्रतीक्षा मत करो।

“क्योंकि पाप का वेतन मृत्यु है, परन्तु परमेश्वर का मुफ्त उपहार हमारे प्रभु यीशु मसीह में शाश्वत जीवन है।” — रोमियों 6:23

भगवान आपको आशीर्वाद दें और आपके हृदय को उनकी सच्चाई के लिए खोलें।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp